

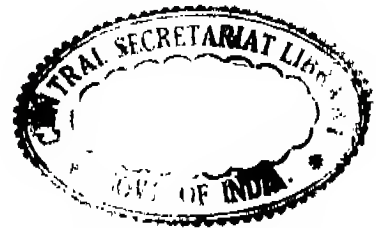


भारत का राजपत्र The Gazette of India.

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 1]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 28, 1979/ज्येष्ठ 7, 1901

No. 1]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 28, 1979/JYAISTHA 7, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 8 मई, 1979

निर्देश संख्या : राज/सहा० प्रा० अर्जन/542. —यतः मुझे, हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम कहा गया है') की धारा 269घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० बंडेला हाउस है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए; अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर धारा :-

(1) श्री नारायण सिंह पुत्र स्व० श्री संग्राम सिंह जी बंडेला हाउस संसार चन्द रोड, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती तारा बंडेल परिन श्री एस० के० बंडेल ए-27 कास्ती चन्द रोड बनीपार्क, जयपुर (अन्तरिती)

* (3) श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* (4) श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख

से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानुसार, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खंडेला हाउस का भाग जो संसार चन्द्र रोड, जयपुर पर स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1904, दिनांक 21-8-78 को पंजीयक विवरण पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 8-5-79

हरी शंकर, सक्षम प्राधिकारी

मोहर—

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. Raj/IAC(Acq) 542.—Whereas, I Hari Shanker being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Khandela House situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Narain Singh s/o Late Shri Sangram Singhji, Khandela House Sansar Chander Road Jaipur.
Transferor

(2) Shrimati Tara Bansal w/o Shri S. K. Bansal A-27 Kanti Chander Road, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

*(3) Shri/Shrimati/Kumari.....
(Person in occupation of the.....
.....property).

* (4) Shri/Shrimati/Kumari.....

.....(Person whom the undersigned knows to be interested in the property objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Schedule

Portion of Khandela House situated at Sansar Chander Road Jaipur, and more fully described in the sale deed Regd. by S. R. Jaipur vide No. 1904, dated 21-8-79.

Seal :

Date : 8-5-1979

HARI SHANKER, Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax

Acquisition Range, Jaipur.

*Strike off where not applicable.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 8 मई, 1979

निर्देश संख्या, राज/सहा० धा० अर्जन/543.—यतः मुझे हरी शंकर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है') की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० खंडेला हाउस है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्हु प्रतिपात से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नारायण सिंह पुत्र स्व श्री संग्राम सिंह खंडेला हाउस संसार चन्द रोड जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री एस० के० बंसल पुत्र श्री काशी राम, ए-27 कान्ती चन्द्र रोड बनीपार्क जयपुर (अन्तरिती)

* (3) श्री/श्रीमती/कुमारी ————— *वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* (4) श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खंडेला हाउस का भाग जो संसार चन्द्र रोड, जयपुर पर स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमिक 1903 दिनांक 21-8-78 को पंजीबद्ध विधायक पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 8-5-79

हरी शंकर, सक्षम प्राधिकारी

मोहर—

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Jaipur, 8th May, 1979

Ref. No. Raj/IAC/(Acq)/543.—Whereas, I, Hari Shanker being the competent authority under Section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Khandela House situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Narain Singh s/o Late Shri Sangram Singhji, Khandela House Sansar Chander Road, Jaipur ..
.. (Transferor)

(2) Shri S. K. Bansal S/o Shri Kasiram A-27, Kanti Chander Road, Banti Park, Jaipur.
.. (Transferee)

* (3) Shri/Shrimati/Kumari.....
(Person in occupation of the property)

* (4) Shri/Shrimati/Kumari.....
.....(Person whom the undersigned knows to be interested in the property objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned):—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Portion of Khandela House situated at Sansar Chander Road, Jaipur, more fully described in the sale deed Regd. by S. R. Jaipur vide No. 1903, dated 21-8-79.

Seal:

Date : 8-5-1979

HARI SHANKER, Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax

Acquisition Range, Jaipur.

*Strike off where not applicable.

